पी-एच.डी. समाजशास्त्र

Ph.D. Sociology

पाठ्यक्रम/सत्र : 2020 – 21

SYLLABUS/SESSION 2020-21

यूजीसी द्वारा अधिमान्य LOCF (learning Outcomes-based Curriculum Framework) पर आधारित

ज्ञान शांति मैत्री

समाजशास्त्र विभाग

DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

MAHATMA GANDHI ANTARRASHTRIYA HINDI VISHWAVIDYALAYA WARDHA, MAHARASHTRA

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

समाजशास्त्र विभाग
DEPARTMENT OF SOCIOLOGY

समाजशास्त्र विभाग संपूर्ण सामाजिक संस्थाओं एवं सामाजिक प्रघटना केंद्रित अध्ययन व अनुसंधान को समर्पित है।

विभाग का ध्येय –

समाजशास्त्र विभाग विश्वविद्यालय के नवीनतम विभागों में से एक है जिसकी शुरुआत शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में की गई। यह विभाग विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के तहत कार्य करते हुए, हिंदी भाषा के संवर्धन और विकास के साथ ज्ञान, शांति एवं मैत्री की परिकल्पना से आबद्ध अध्ययन/ शोध/ अनुसंधान आदि को समृद्ध करने के मूल उद्देश्यों की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में समाजशास्त्र विभाग निम्न उद्देश्यों को केंद्र में रखकर कार्य कर रहा है-

1. सामाजिक तथ्यों की व्यापक समझ की दिशा में भारतीयता और भारतीय दृष्टि को ध्यान में रखते हुए अंतरविषयी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना।
2. विद्यार्थियों को समाजशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित कराना तथा भारत में समाज और समाजशास्त्र के प्राचीन से अर्वाचीन तक के स्वरूप और परंपरा से अवगत कराना।
3. समझने पर बल देने और व्यवहारात्मक क्रियाओं या प्रैक्टिकम के माध्यम से समाजशास्त्र एवं उसके संबद्ध विषयों में छात्रों की शोध संबंधी प्रविधिगत क्षमता का संवर्धन करना।
4. वैश्विक को स्थानीय के साथ, व्यक्तिनिष्ठ को वस्तुनिष्ठ के साथ, तथ्यों को मूल्यों के साथ तथा परिमाणात्मक को गुणात्मक के साथ जोड़ते हुए गहन एवं अत्याधुनिक समाज-वैज्ञानिक अनुसंधान और मौलिक सामाजिक मुद्दों के विश्लेषण की संस्कृति को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना।

ध्येय पूर्ति हेतु कार्य योजना-

1. अंतरविषयी दृष्टिकोण पर एक विशेष प्रोत्साहन के साथ आलोचनात्मक, नवाचार और मौलिक सामाजिक तथ्यों की अत्याधुनिक अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा देना।
2. सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जानना और समझ विकसित करना।
3. ऐसे पाठ्यचर्या, शिक्षण, शोध और अन्य अकादमिक गतिविधियों की संरचना और संचालन करना जिससे छात्रों में समीक्षात्मक विवेक का विकास हो।
4. हिंदी भाषा दक्षता हेतु कार्यक्रम का आयोजन करना।

5. सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की तकनीकी दक्षता का शोध एवं शिक्षण में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना।

6. उच्च शिक्षा के नवाचारों जैसे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS), ऑनलाइन अधिगम, अंतरानुशासन आदि के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना।

7. अंतरविषयी दृष्टि की पुष्टता एवं प्रोत्साहन हेतु अन्य विभागों के साथ अंतरविषयक अध्ययन-अध्यापन का आयोजन करना।

8. सामाजिक नवाचार और परिवर्तन के संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु गोष्ठियों का आयोजन।

9. विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों से संबंधित व्याख्यानों एवं गोष्ठियों का आयोजन।

10. छात्रों हेतु व्यवहारमूलक क्रियाओं के लिए, वैश्विक मुद्दों को क्षेत्रीय संदर्भ में समझने एवं उसका भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ विकसित करने हेतु समय-समय पर छोटे-छोटे कार्यशालाओं का आयोजन।

11. वैज्ञानिक शोध हेतु गुणात्मक एवं गणनात्मक प्रविधियों की अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन करना।

अध्ययन आयोजन एवं मूल्यांकन पद्धति –

1. इस पाठ्यक्रम (पीएच.डी.) के लिए न्यूनतम 03 वर्ष तथा अधिकतम 06 वर्ष की अवधि निर्धारित है। यह पाठ्यक्रम एम.ए. उत्तीर्ण के लिए कुल 120 क्रेडिट और एम.फिल. उत्तीर्ण के लिए 100 क्रेडिट का है।
2. प्रश्नपत्र (Paper) के लिए पाठ्यचर्या (Course) शब्दा का प्रयोग किया गया है । पाठ्यक्रम आधार (अनिवार्य एवं ऐच्छिक) तथा मूल (अनिवार्य एवं ऐच्छिक) पाठ्यचर्याओं में विभाजित है।
3. क्रेडिट पाठ्यचर्या के मूल्यांकन की इकाई है, जिसका मान-निर्धारण कार्य-दिवसों के बजाय वास्तविक शिक्षण/अध्ययन के घंटो पर किया गया है।
4. कोर्स वर्क के लिए अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक पाठ्यचर्या 2 अथवा 4 क्रेडिट की होगी। पाठ्यचर्याओं का निर्धारण संबंधित अनिवार्य एवं ऐच्छिक में 2 और 4 क्रेडिट दोनों प्रकार की पाठ्यचर्या रखी गई हैं।
5. विभिन्न पाठ्यचर्याओं के मूल्यांकन के लिए सेमेस्टर की लिखित परीक्षा और आंतरिक परीक्षा के बीच 3:1 (75/25) का अनुपात होगा।
6. पी-एच.डी. कोर्स वर्क के लिए परीक्षा प्रणाली (लिखित परीक्षा हेतु) इस प्रकार होगी :

(i)	दीर्घउत्तरीय/वर्णनात्मक	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
(ii)	लघुउत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
(iii)	बहुविकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 2 अंक
...	...	...	**कुल 75 अंक**

7. अंकों का ग्रेड प्वाइंट/क्रेडिट प्वाइंट के रूपांतरण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुरूपता में 10 प्वाइंट स्केल पर किया जाएगा।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

समाजशास्त्र विभाग

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अनुरूप समाजशास्त्र विभाग द्वारा संचालित पी-एच. डी. पाठ्यक्रम के अतंर्गत अनिवार्य (आधार एवं मूल) तथा ऐच्छिक (आधार एवं मूल) पाठ्यचर्याओं का विवरण निम्नलिखित है –

					अनिवार्य (रक्रेडिट प्रति सेमेस्ट 20 कुल)				ऐच्छिक				
					आधार (Foundation)		मूल (Core)		आधार (Foundation)		मूल (Core)		कुल क्रेडिट
पाठ्यक्रम	सेमेस्टर	क्रेडिट	अवधि	सेमेस्टर	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	पाठ्यचर्या (Course)	क्रेडिट	
पी-एच.डी. समाजशास्त्र	न्यूनतम 06 अधिकतम 12 सेमेस्टर	120 /100 क्रेडिट (एम.ए. उत्तीर्ण हेतु कुल 120 क्रेडिट और एम.फिल. उत्तीर्ण हेतु 100 क्रेडिट	1 क्रेडिट = 30 घंटे	सेमेस्टर01*	• कम्प्यूटर अनुप्रयोग	04	• शोध प्रविधि के मूलतत्त्व • शोध एवं प्रकाशन नैतिकता • समाजशास्त्रीय शोध प्रविधि • समाजशास्त्र के सैद्धांतिक आधार	02 02 04 04	• अंतरानुशासनिक अध्ययन	04	-	-	**20**
				न्यूनतम 05 सेमेस्टर तथा अधिकतम 12 सेमेस्टर			• रिसर्च एसोशिएटशिप एंड टीचिंग एसोशिएटशिप • शोध प्रबंध लेखन • मौखिकी	10 (अतिरिक्त) 80 20					**100**
												कुल क्रेडिट	**120**

टिप्पणी - *एम. फिल. उपाधि प्राप्त शोधार्थियों को कोर्स वर्क (20 क्रेडिट) से मुक्त रखा गया है। एम. फिल. के 20 क्रेडिट पी-एच.डी. में स्थानांतरित किये जाएगें।

- **अन्य मामलों अथवा समस्या निवारण के लिए विश्वविद्यालय का संबंधित अध्यादेश अथवा सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।**

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 01

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
PC-BERM-101	**अनुसंधान विधि के मूल तत्त्व**	**2**	**--**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	22
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

PC-BERM-101. अनुसंधान विधि के मूल तत्त्व

इकाई-1 अनुसंधान

- अनुसंधान : अर्थ, परिभाषा, लक्षण एवं उद्देश्य
- अनुसंधान के तार्किक आधार : सामान्य बोध एवं विज्ञान में अंतर, नैतिकता एवं प्रतिमानक, सांस्कृतिक सापेक्षता, शोध में वस्तुनिष्ठता एवं व्यक्तिनिष्ठता के मुद्दे
- अनुसंधान के दार्शनिक आधार : तत्त्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा, प्रत्यक्षवाद एवं भाष्यशास्त्र

इकाई – 2 अनुसंधान एवं अनुसंधानकर्ता : मुद्दे, प्रक्रियाएँ एवं स्वरूप

- अनुसंधानकर्ता की आवश्यकताएँ एवं तैयारियाँ
- अनुसंधान के विभिन्न चरण एवं अनुसंधान (शोध) प्रारूप
- अनुसंधान के विभिन्न प्रकार (बुनियादी एवं व्यवहारमूलक, वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक, आनुभविक एवं अन्वेषणात्मक, मात्रात्मक एवं गुणात्मक, व्याख्यात्मक (कार्य-कारणात्मक), प्रयोगात्मक एवं मूल्यांकनात्मक तथा क्रियात्मक शोध)

इकाई – 3 तथ्य संकलन के स्रोत, पद्धतियाँ एवं प्रविधियाँ

- प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत
- आकड़ा संग्रहण के उपकरण एवं चरण
- साक्षात्कार अनुसूची, प्रश्नावली, इत्यादि

इकाई - 4 अनुसंधान प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण

- शोध नैतिकता
- लेखन शैली
- संदर्भ एवं संदर्भ ग्रंथों का स्तरीय प्रस्तुतीकरण

प्रायोगिकी/गृह कार्य :

- शोध प्रस्ताव का निर्माण करना।
- शोध पत्र लिखना।
- शोध पत्र को प्रस्तुत करना।
- समाज की समस्याओं को देख पाने की शोधपरक अंतरदृष्टि।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs :

- शोधार्थी शोध और उसके चरण से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध समस्या और प्राक्कलपना से परिचित होंगे।
- शोधार्थी विभिन्न शोध स्वरूपों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी आकड़ों के प्रकार, स्रोत एवं संग्रहण उपकरणों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध निष्कर्ष लेखन को जानेंगे।
- शोधार्थी संदर्भ और ग्रंथ-सूची निरूपण से भी परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**अनुसंधान :** 1. अनुसंधान : अर्थ, परिभाषा, लक्षण एवं उद्देश्य 2. अनुसंधान के तार्किक आधार 3. अनुसंधान के दार्शनिक आधार	06	01	01	08	26.67 %
मॉड्यूल 2	**अनुसंधान एवं अनुसंधानकर्ता : मुद्दे, प्रक्रियाएँ एवं स्वरूप -** 1. अनुसंधानकर्ता की आवश्यकताएँ एवं तैयारियाँ 2. अनुसंधान के विभिन्न चरण एवं अनुसंधान (शोध) प्रारूप 3. अनुसंधान के विभिन्न प्रकार	06	01	01	08	26.67 %
मॉड्यूल 3	**तथ्य संकलन के स्रोत, पद्धतियाँ एवं प्रविधियाँ :** 1. प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत 2. आकड़ा संग्रहण के विभिन्न उपकरण एवं चरण	06	01	01	08	26.67 %
मॉड्यूल 4	**अनुसंधान प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण :** 1. शोध नैतिकता 2. लेखन शैली 3. संदर्भ एवं संदर्भ ग्रंथों का स्तरीय प्रस्तुतीकरण	04	01	01	06	20.00 %
योग		**22**	**04**	**04**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा** (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Barnes, J. A. (1979). *Who Should Know What? Social Science, Privacy and Ethics.* Harmondsworth : Penguin Book.
- Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR.
- Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.
- DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.
- Hughes, J. (1987). *The Philosphy of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.
- Kothari, C. R. (1989). *Research Methodology : Methods and Techniques.* Bangalore : Wiley Eastern.
- Marsh, C. (1988). *Exploring Data.* Cambridge : Polity Press.
- Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas and Perspectives.* New Delhi : Sage Pbc.
- Punch, K. (1996). *Introduction to Social Research.* London : Sage Pbc.
- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.
- Srinivas, M. N., & Shah. A. M. (1979). *Fieldworker and The Field.* Delhi : Oxford Press.
- Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.* New Delhi : Prentice Hall.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दास, लाल. डी. के. (2017). सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- मुखर्जी, नाथ. रवींद्र. (2014). सामाजिक शोध व सांख्यिकी. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 02

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
PC-ERP-102	शोध एवं प्रकाशन नैतिकता	2	--

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	18
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	06
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

PC-ERP-102. शोध एवं प्रकाशन नैतिकता

सिद्धांत

इकाई-1 दर्शन एवं नैतिकता

- दर्शन का परिचय: परिभाषा, प्रकृति और कार्यक्षेत्र, अवधारणा, शाखाएँ
- नैतिकता: परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक निर्णय और प्रतिक्रियाओं की प्रकृति

इकाई-2 वैज्ञानिक आचार

- विज्ञान और अनुसंधान के संबंध में नैतिकता
- बौद्धिक ईमानदारी एवं शोध निष्ठा
- वैज्ञानिक कदाचार : मिथ्याकरण, ज़ालसाज़ी और साहित्यिक चोरी (FFP)
- निरर्थक प्रकाशन: डुप्लिकेट और ओवरलैपिंग प्रकाशन सलामी स्लाइसिंग (salami slicing)
- चयनात्मक रिपोर्टिंग और आकड़ों का मिथ्यानिरूपण

इकाई-3 प्रकाशन नैतिकता

- प्रकाशन नैतिकता : परिभाषा, परिचय और महत्त्व
- पहल और दिशानिर्देश संबंधी सर्वोत्तम अभ्यास / मानक : COPE, WAME, इत्यादि।
- रुचि संबंधी संघर्ष
- प्रकाशन कदाचार : परिभाषा, अवधारणा, अनैतिक व्यवहार और इससे बचने संबंधी समस्याएँ, प्रकार
- प्रकाशन नैतिकता, लेखक और योगदानकर्ता का उल्लंघन
- प्रकाशन कदाचार शिकायतों और अपील की पहचान
- लुटेरे प्रकाशक और पत्रिकाएँ

अभ्यास

इकाई-4 ओपन एक्सेस प्रकाशन

- ओपन एक्सेस प्रकाशन और उपक्रम
- प्रकाशक कॉपीराइट और स्व-अभिलेखीय नीतियों की जाँच करने के लिए SHERPA / RoMEO ऑनलाइन संसाधन
- लुटेरे प्रकाशनों की पहचान करने के लिए SPPU द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर टूल
- जर्नल फाइंडर / पत्रिका सुझाव उपकरण अर्थात JANE, एल्सेवियर जर्नल फाइंडर, स्प्रिंगर जर्नल सुझावक, इत्यादि।

इकाई-5 प्रकाशन कदाचार

अ. समूह चर्चा

- विषय विशेष के नैतिक मुद्दे, FFP, ग्रंथकारिता (authorship)
- रुचि संबंधी संघर्ष
- शिकायतें और अपील : भारत और विदेश से उदाहरण और धोखाधड़ी

ब. सॉफ्टवेयर उपकरण

साहित्यिक चोरी सॉफ्टवेयर जैसे टर्निटिन, उरकुंड और अन्य खुले स्रोत सॉफ़्टवेयर उपकरण का उपयोग

इकाई-6 डेटाबेस एवं शोध मेट्रिक्स

अ. डेटाबेस

- सूचीकरण डेटाबेस
- उद्धरण डेटाबेस : वेब ऑफ़ साइंस, स्कोपस इत्यादि।

ब. सॉफ्टवेयर उपकरण

- जर्नल उद्धरण रिपोर्ट, SNIP, SJR, IPP, साइट स्कोर के अनुसार जर्नल का इम्पैक्ट फैक्टर
- मेट्रिक्स : एच-इंडेक्स, जी-इंडेक्स, आई-10 इंडेक्स, अल्टमेट्रिक्स

प्रायोगिकी/गृह कार्य :

- शोध संबंधी नैतिक मुद्दों को लिखना।
- शोध संबंधी नैतिक समस्याओं को सूचीबद्ध करना।
- प्रकाशन संबंधी नैतिक मुद्दों को स्पष्ट करना।
- प्रकाशन संबंधी कदाचार को सूचीबद्ध करना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs :

- शोधार्थी शोध संबंधित दार्शनिक व नैतिक मुद्दों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध संबंधी वैज्ञानिक आचार से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन नैतिकता से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन के ओपन एक्सेस उपक्रम से परिचित होंगे।
- शोधार्थी प्रकाशन संबंधी कदाचार को जानेंगे।
- शोधार्थी डेटाबेस और शोध मेट्रिक्स से परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**दर्शन एवं नैतिकता**	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 2	**वैज्ञानिक आचार**	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 3	**प्रकाशन नैतिकता**	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 4	**ओपन एक्सेस प्रकाशन**	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 5	**प्रकाशन कदाचार** • समूह चर्चा • सॉफ्टवेयर उपकरण	02	01	01	04	13.33
मॉड्यूल 6	**डेटाबेस एवं शोध मेट्रिक्स** • डेटाबेस • सॉफ्टवेयर उपकरण	00	01	01	02	6.67
योग		**18**	**06**	**06**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा** (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bird, A. (2006). *Philosophy of Science.* Routledge.
- Macintyre, Alasdair. (1967). *A Short History of Ethics.* London
- Chaddah, P. (2018). Ethics in Competitive Research: Do not get scooped do not get plagiarized. ISBN 978 9387480865
- National Academy of Sciences, National Academy of Engineering and Institute Medicine. (2009). *On Being a Scientist: A Guide to Responsible Conduct in Research. Third Edition*. National Academies Press.
- Resnik, D. B. (2011). What is ethics in research & why is it important. *National Institute of Environmental Health Sciences,* 1-10. Retrieved from https://www.nichs.nih.gov/research/resources/bioethics/whatis/index.cfm
- Beall, J. (2012). Predatory publishers are corrupting open access. *Nature, 489(7415),* 179-179.
- https://doi.org/10.1038489179a
- Indian National Science Academy (INSA). Ethics in Science Education, Research and Governance (2019), ISBN : 978-51-939482-1-7. http://www.insaindia.res.in/pdf/Ethics_Book.pdf

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 03
पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
PC-SRM-103	**समाजशास्त्रीय शोध प्रविधि**	**4**	**--**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	39
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	13
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

PC-SRM-103. समाजशास्त्रीय शोध प्रविधि

इकाई-1 समाजशास्त्रीय शोध एवं पद्धतिशास्त्रीय उन्मुखता

- समाजशास्त्रीय शोध : परिभाषा, लक्षण, उद्देश्य, सीमाएं, सामाजिक यथार्थ एवं प्रेक्षण तकनीक
- तथ्य, अवधारणा एवं सिद्धांत : अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता, निर्माण एवं प्रयोग
- समकालीन पद्धतियाँ : अनुभवजन्य, तुलनात्मक, महिलावादी एवं सहभागी शोध पद्धति
- सर्वेक्षण शोध

इकाई – 2 गुणात्मक पद्धति एवं तकनीकें

- क्षेत्र शोध : परिभाषा एवं लक्षण, अभिकल्पना, क्षेत्र प्रवेश, मुख्य सूचक, सहभागी अवलोकन
- गुणात्मक पद्धति – साक्षात्कार के प्रकार एवं प्रक्रिया, वंशावली, केस अध्ययन, जीवन इतिहास एवं मौखिक इतिहास, भागेदारी ग्राम मूल्यांकन (पीआरए) एवं तीव्र ग्राम मूल्यांकन (आरआरए)
- विवरणात्मक विश्लेषण एवं व्याख्या, विश्वसनीयता परीक्षण, वैधता एवं त्रिभुजीकरण
- गुणात्मक आकड़ों का प्रस्तुतिकरण एवं लेखन

इकाई – 3 गणनात्मक पद्धति एवं तकनीकें

- प्रतिचयन विधियाँ एवं प्रतिदर्श आकार
- केंद्रीय प्रवृत्ति के माप
- विचलन, सह-संबंध एवं रिग्रेशन
- प्राक्कलपना परीक्षण

इकाई - 4 आंकड़ों विश्लेषण एवं निष्कर्ष

- शोध में इंटरनेट का प्रयोग
- विश्लेषण में एस.पी.एस.एस. का प्रयोग
- सारणीयन एवं ग्राफ़िक प्रस्तुतीकरण
- रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण

प्रायोगिकी/गृह कार्य :

- शोध प्रस्ताव का निर्माण करना।
- शोध पत्र लिखना।
- शोध पत्र को प्रस्तुत करना।
- समाज की समस्याओं को देख पाने की पद्धतिगत अंतरदृष्टि।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs :

- शोधार्थी सामाजिक शोध और उसके स्वरूप से परिचित होंगे।
- शोधार्थी समकालीन शोध पद्धतियों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी विभिन्न शोध पद्धतियों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी शोध में गुणात्मक और गणनात्मक आंकड़ों के विश्लेषण और निर्वचन को जानेंगे।
- शोधार्थी शोध में इंटरनेट के प्रयोग एवं एसपीएसएस को भी जानेंगे।
- शोधार्थी रिपोर्ट प्रस्तुतीकरण से भी परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	**समाजशास्त्रीय शोध एवं पद्धतिशास्त्रीय उन्मुखता** • समाजशास्त्रीय शोध • तथ्य, अवधारणा एवं सिद्धांत • समकालीन पद्धतियाँ • सर्वेक्षण शोध	09	02	02	13	21.67 %
मॉड्यूल 2	**गुणात्मक पद्धति एवं तकनीकें** • क्षेत्र शोध • गुणात्मक पद्धति • विवरणात्मक विश्लेषण एवं व्याख्या, विश्वसनीयता परीक्षण, वैधता एवं त्रिभुजीकरण • गुणात्मक आकड़ों का प्रस्तुतिकरण एवं लेखन	11	02	04	17	28.33 %
मॉड्यूल 3	**गणनात्मक पद्धति एवं तकनीकें** • प्रतिचयन विधियाँ एवं प्रतिदर्श आकार • केंद्रीय प्रवृत्ति के माप • विचलन, सह-संबंध एवं रिग्रेशन • प्राक्कलपना परीक्षण	12	02	04	18	30.00 %
मॉड्यूल 4	**आंकड़ों विश्लेषण एवं निष्कर्ष**	07	02	03	12	20.00 %
योग		**39**	**08**	**13**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

5. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा** (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi : ICSSR.
- Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London : Unwin Hyman.
- DeVaus, D. A. (1986). *Surveys in Social Research.* London : George Relen & Unwin.
- Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras : MacMillian.
- Kothari, C. R. (1989). *Research Methodology : Methods and Techniques.* Bangalore : Wiley Eastern.
- Marsh, C. (1988). *Exploring Data.* Cambridge : Polity Press.
- Mukherjee, P. N. (Ed.). (2000). *Methodology in Social Research : Dilemmas and Perspectives.* New Delhi : Sage Pbc.
- Punch, K. (1996). *Introduction to Social Research.* London : Sage Pbc.
- Shipman, M. (1988). *The Limitations of Social Research.* London : Longman Pbc.
- Sjoberg, G., & Roger, N. (1997). *Methodology for Social Research.* Jaipur : Rawat Pbc.
- Srinivas, M. N., & Shah. A. M. (1979). *Fieldworker and The Field.* Delhi : Oxford Press.
- Young, P. V. (1988). *Scientific Social Surveys and Research.* New Delhi : Prentice Hall.
- त्रिपाठी, सत्येंद्र. (2017). सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दास, लाल. डी. के. (2017). सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- मुखर्जी, नाथ. रवींद्र. (2014). सामाजिक शोध व सांख्यिकी. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.

नोट : यदि विश्वविद्यालय स्तर पर सामान्यिक रूप से इस पाठ्यचर्या (इकाई-4) के अध्यापन की व्ययवस्था होगी तो ऐसी दशा में विभाग में नहीं पढ़ाया जाएगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 04

PC-COA-104. कम्प्यूटर अनुप्रयोग (आधार) (क्रेडिट - 04)

‘लीला’ के पाठ्यक्रम पर आधारित अध्यापन

नोट :- इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम का निर्माण, अध्यापन, परीक्षा व मूल्यांकन आदि संबंधी समस्त कार्य ‘लीला’ के द्वारा किया जाएगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 05

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
PC-TBS-105	**समाजशास्त्र के सैद्धांतिक आधार**	4	--

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	46
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	07
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	07
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

PC-TBS-105. समाजशास्त्र के सैद्धांतिक आधार

इकाई-1 समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य : अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, उपयोगिता, प्रकार एवं आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत की नींव तथा भारतीय समाज के अध्ययन के विभिन्न परिप्रेक्ष्य

इकाई-2 संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास तथा इनके नव-प्रकार

इकाई-3 प्रघटनाशास्त्रीय एवं आलोचनात्मक सिद्धांत : परिभाषा एवं अर्थ, उद्भव एवं विकास, व्याख्यात्मक समाजशास्त्र, जीवन-विश्व सिद्धांत, आधुनिकता की आलोचना, सार्वजनिक क्षेत्र व संचार क्रिया सिद्धांत, सामाजिक हस्तक्षेप और सांस्कृतिक उपयोगिता के सिद्धांत

इकाई-4 सैद्धांतिकरण की नव-प्रवृत्तियाँ : संवेदनशीलता और आधुनिकता (एंथनी गिडेंस), ज्ञान और शक्ति (एम. फ़ोकाल्ट), उत्तर औद्योगिक समाज, सूचना समाज एवं सर्विलांस, वैश्वीकरण की चुनौतियाँ एवं संभावनाएं, अभ्यास के सिद्धांत (बोर्दियु)

प्रायोगिकी/गृह कार्य

- शोधार्थियों में समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की महत्ता एवं व्यापकता को समझाना।
- सामाजिक प्रघटनाओं को विभिन्न सैद्धांतिक दृष्टिकोणों से समझने की दृष्टि विकसित कराना।
- सामाजिक दृष्टि से सैद्धांतिक हस्तक्षेप एवं उसके परिणाम से अवगत कराना।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs :

- शोधार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांतों के अर्थ एवं विस्तार को समझ सकेंगे।
- शोधार्थी संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे।
- शोधार्थी नव संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य के बारे में जानेंगे ।
- शोधार्थी प्रघटनाशास्त्रीय एवं आलोचनात्मक सिद्धांतों से परिचित होंगे।
- शोधार्थी समाजशास्त्र में सैद्धांतिकरण की नई प्रवृत्तियों और चुनौतियों से भी परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	समाजशास्त्रीय सिद्धांत एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य	10	01	01	12	20.00 %
मॉड्यूल 2	संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक सिद्धांत	12	02	02	16	26.67 %
मॉड्यूल 3	प्रघटनाशास्त्रीय एवं आलोचनात्मक सिद्धांत	12	02	02	16	26.67 %
मॉड्यूल 4	सैद्धांतिकरण की नव-प्रवृत्तियाँ	12	02	02	16	26.67 %
योग		46	07	07	60	100%

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शोध प्रविधि का आधारभूत परिचय पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

7. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Alexander, Jeffrey C. (ed.) (1985). Neo-functionalism. London: Sage.
- Appelrouth, Scott. and Edles, D. (2008). Classical and Contemporary Sociological Theory: Text and Readings. California : Pine Forge Press.
- Bell, D. (2008). The Coming of Post-Industrial Sociology. Cambridge : Polity Press.
- Bourdieu, Pierre. (1990). In Other Words: Essays Towards a Reflexive Sociology. Oxford : Polity Press.
- Collins, R. (1997). Sociologic Theory. New Delhi : Rawat.
- Connerton, Paul (ed.). (1976). Critical Sociology. Harmondsworth : Penguin.
- Dahrendorf, Ralf. (1979). Class and Class Conflict in Industrial Society. London : Routledge and Kegan Paul.
- Dhanagare, D.N. (1993). Themes and perspectives in Indian sociology. Jaipur : Rawat Publication.
- Giddens, A. (1983). Central Problems in Social Theory: Action, Structure and Contradiction in Social Analysis. London : Macmillan.
- Luckmann, Thomas (ed.). (1978). Phenomenology and Sociology: Selected Readings. New York : Penguin Books.
- Marx, K & Engels, F. (1970). The German Ideology. New York : International Publishers Co.
- Merton, R. K. (1968). Social Theory and Social Structure. New York : Free Press.
- Parsons, Talcott (et. al.). (1965). Theories of Society: Foundations of Modern Sociological Theory. New York : Free Press.
- Radcliffe-Brown, A.R. (1952). Structure & Function in Primitive Societies London : The English Language Book Society Ltd.
- Ritzer, G. (1992). Sociological Theory. New York : McGraw Hill.
- Singh, Yogendra. (1983). Image of Man: Ideology & Theory in Indian Sociology. New Delhi : Chanakya Publications.
- Strauss, Levi. (1953). Social Structure. Chicago : University Press.
- Timasheff, N. S. (1967). Sociological Theory. New York : Random House.
- Zeitlin, I. M. (1998). Rethinking Sociology: A Critique of Contemporary Theory. New Delhi : Rawat.
- त्रिवेदी, एस. एम. एवं दोषी, एल. एस. (1996). उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2007). आधुनिक समाजशास्त्रीय विचारक. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- दोषी, एल. एस. (2017). आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धांत. जयपुर: रावत पब्लिकेशन.
- नगला, के. बी. (2015). भारतीय समाजशास्त्रीय चिंतन. जयपुर: रावत पब्लिकेशन.

- मुकर्जी, नाथ. रवींद्र. (2017). समकालीन उच्चतर समाजशास्त्रीय सिद्धांत. दिल्ली: विवेक प्रकाशन.
- रावत, हरीकृष्ण. (2003). समाजशास्त्रीय चिंतक एवं सिद्धांतकार. जयपुर: रावत प्रकाशन.

नोट :- यही प्रश्न-पत्र अन्य विषयों से समाजशास्त्र विभाग में अंतरानुशासनिक अध्ययन हेतु आने वाले शोधार्थियों को अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम (4 क्रेडिट) के रूप में भी पढ़ाया जाएगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 06

अंतरानुशासनिक (ऐच्छिक) (क्रेडिट - 04)

नोट :- पी-एच.डी. समाजशास्त्र, कोर्स वर्क, प्रश्नपत्र 05 - समाजशास्त्र के सैद्धांतिक आधार (मूल) (क्रेडिट - 04) प्रश्न-पत्र को अन्य विषयों से समाजशास्त्र विभाग में अंतरानुशासनिक अध्ययन हेतु आने वाले शोधार्थियों को अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम (4 क्रेडिट) के रूप में भी पढ़ाया जाएगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र

शोध प्रबंध लेखन (क्रेडिट - 80)

- **शोध प्रबंध लेखन प्रारूप (पी-एच.डी. अध्यादेश, 2020, MGAHV के अनुरूप)**

1. **शोध-प्रबंध का मुख्य पृष्ठ-**
   (क) शोध-प्रबंध का शीर्षक क्रमशः हिंदी एवं अंग्रेजी में
   (ख) पी-एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध-प्रबंध
   (ग) शोधार्थी एवं शोध-निर्देशक का नाम
   (घ) विश्वविद्यालय का लोगो
   (ङ) प्रस्तुति वर्ष
   (च) विभाग एवं विश्वविद्यालय का क्रमशः पूरा नाम

2. **शोध-प्रबंध के मुख्य पृष्ठ हेतु प्रस्तावित रंग: गहरा नीला**

3. **शोध-प्रबंध प्रस्तुतीकरण**
   (क) संदर्भ पद्धति :APA
   (ख) Kokila/Arial Unicode
   (ग) फॉन्ट साइज-16
   (घ) दो लाइनों के बीच की दूरी 1.5

4. **शोध-प्रबंध का प्रस्तावित प्रारूप**

   i) घोषणा-पत्र प्रमाणपत्र (शोधार्थी एवं निर्देशक की ओर से एक ही होगा)
   ii) भूमिका
   iii) विषयानुक्रमणिका
   iv) संक्षिप्ताक्षर (यदि आवश्यकता हो)
   v) अध्यायवार मूल अंतर्वस्तु
   vi) संदर्भ सूची
   vii) परिशिष्ट (यदि आवश्यकता हो)

❖ शोध विषय आधारित सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन का लेखन।

❖ संबंधित शोध कार्य में शोध गुणवत्ता हेतु विभिन्न पद्धति, उपकरणों का प्रयोग एवं उल्लेख आवश्यक होगा।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र

मौखिकी (क्रेडिट - 20)

नोट :- पी-एच.डी. मौखिकी का स्वरूप खुला होगा जिसमें विभागों व केंद्रों के सभी संकाय सदस्य, शोधार्थी और अन्य इच्छुक संकाय सदस्य, विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय के बाहर के विशेषज्ञ और शोधार्थी शामिल हो सकते हैं।

पी-एच.डी. समाजशास्त्र

रिसर्च एसोशिएटशिप एवं टीचिंग एसोशिएटशिप (क्रेडिट -10) (अतिरिक्त)

नोट :-

1. रिसर्च एसोशिएटशिप के अंतर्गत विद्यार्थी को शोध विषय संबंधित न्यूनतम 2 शोध पत्रों को प्रकाशित करवाना होगा एवं उसका प्रस्तुतिकरण विभाग में देना होगा।
2. रिसर्च एसोशिएटशिप के अंतर्गत विद्यार्थी को शोध विषय संबंधित न्यूनतम 2 राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध-पत्र वाचन/प्रस्तुतिकरण देना होगा।
3. टीचिंग एसोशिएटशिप के अंतर्गत दिए गए कक्षा शिक्षण संबंधी कार्यों को पूरा करना होगा।
4. इन कार्यों का वितरण शोध निर्देशक और विभागाध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप में किया जाएगा।